कृषि विज्ञान केंद्र हरदोई-II द्वारा अनुसूचित जाति उपयोजना के अन्तर्गत पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 3 से 7 फरवरी, 2025 तक किया गया |

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान के कृषि विज्ञान केंद्र हरदोई-II, द्वारा अनुसूचित जाति उपयोजना के अन्तर्गत कृषको के लिए "रवी सीजन की फसलों में एकीकृत फसल प्रबन्धन" विषय पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण दिनांक 3 से 7 फरवरी, 2025 तक आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम केंद्र के वरि वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. पंकज नौटियाल के निर्देशन में डॉ. त्रलोकी सिंह, विषय विशेषज्ञ (सस्य विज्ञान) द्वारा सफलतापूर्वक संपन्न कराया गया। इस प्रशिक्षण में गाँव बराही, टिकरा खुर्द, टिकरा कला, नटपुरवा 32 कृषकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। प्रशिक्षण के प्रथम दिन किसानों के पूर्व ज्ञान का मूल्यांकन किया गया तथा कार्यक्रम के संयोजक डॉ. त्रलोकी सिंह ने प्रशिक्षण के विषय में विस्तार से जानकारी दी गयी एवं रबी ऋतु की फसलों की उत्पादन तकनीकियों की भी जानकारी दी। प्रशिक्षण कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. यश पाल सिंह, एमरेट्स वैज्ञानिक, भाकृअनुप-क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान, केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान, लखनऊ ने रवी फसलों में एकीकृत पोषक तत्व प्रबन्धन के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी गयी। केंद्र के अध्यक्ष डॉ. पंकज नौटियाल ने कृषि विज्ञान के कार्य एवं अनुसूचित जाति उप योजना के बारे में विधिवत जानकारी दी। इस प्रशिक्षण के प्रथम सत्र में श्री प्रमोद कुमार, कृषि विकास अधिकारी (पादप सुरक्षा), संडीला हरदोई द्वारा कृषि विभाग से सम्बंधित विभागीय जानकारी दी गयी। प्रशिक्षण के दूसरे दिन केंद्र की गृह विज्ञान की विशेषज्ञ डॉ. अंजलि साहू द्वारा रवी फसलों का सुरक्षित अन्न भण्डारण एवं मूल्य वर्धन कैसे करें, उसके बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी। इसी क्रम में केंद्र के विषय विशेषज्ञ (मृदा) डॉ. त्रिलोक नाथ राय, ने मृदा स्वास्थ एवं पौधों के लिए आवश्यक पोषक तत्वों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। श्री मोहित सिंह ने फसलों में प्रयोग होने वाले जैविक उर्वरक के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम के अंतिम दिन कृषकों के प्रशिक्षण के बाद के ज्ञान का मूल्यांकन एवं प्रतिक्रिया ली गयी। कार्यक्रम के अंतिम सत्र में वरि पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. एस एस चौधरी, द्वारा पशुपालन विभाग के बारे में विस्तार से बताया | सफल प्रतिभागियों को अतिथियों द्वारा प्रमाण पत्र वितरित किये गये। कार्यक्रम के समापन पर थांगा अनुसुया, विषय विशेषज्ञ (मछली उतपादन) द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया।